केन्द्रीय विद्यालय संगठन, एरणाकुलम क्षेत्र

SUMMATIVE ASSESSMENT - II - 2012-2013

संकलित परीक्षा - 2

हिन्दी (पाठ्यक्रम - अ)

CLASS : **X** | TIME : 3 Hours

कक्षा : दसवीं (कोड़ संख्या - 002) | निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 90

---

1. कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न पत्र में, 17 प्रश्न है ।
2. कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें ।
3. इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं - क, ख, ग, घ ।
4. चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
5. यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड - क

प्रश्न 1.निम्न लिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए :- (1x5=5)

सत्य और अहिंसा, केवल इसी देश के लिए नहीं, मानव मात्र के जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हो गए हैं । हम इस देश में लोकतंत्र की स्थापना कर चुके हैं, जिसका अर्थ है व्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता जिसमें वह अपना पूरा विकास कर सकें और साथ ही सामूहिक और सामाजिक एकता भी । व्यक्ति और समाज के बीच में विरोध का आभास होता है । व्यक्ति अपनी उन्नति और विकास चाहता है और यदि एक की उन्नति और विकास दूसरे की उन्नति और विकास में बाधक हो तो संघर्ष पैदा होता है और यह संघर्ष तभी दूर हो सकता है जब उसके विकास के पथ अहिंसा के हो । हमारी संस्कृति का मूलाधार इसी अहिंसा-तत्व पर स्थापित रहा है । जहाँ जहाँ हमारे नैतिक सिद्धांतों का वर्णन आया है अहिंसा को ही उसमें मुख्य स्थान दिया गया है । अहिंसा का दूसरा रूप त्याग है और हिंसा का दूसरा रूप या दूसरा नाम स्वार्थ है, जो प्रायः भोग के रूप में हमारे सामने आता है । हमारी सारी नैतिक चेतना इसी तत्व से ओत-प्रोत है । इसीलिए हमने भिन्न विचारधाराओं को स्वच्छतापूर्वक पनपने और भिन्न-भिन्न भाषाओं को विकसित और प्रस्फुटित होने दिया।

1. लोकतंत्र का क्या अर्थ है ?

(क) सामूहिक एकता (ख) सामाजिक एकता

(ग) व्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता और विकास (घ) दिए गए सभी

2. मानव के जीवन के लिए क्या आवश्यक है ?

(क) प्रगति (ख) संघर्ष

(ग) इच्छा-शक्त (घ) सत्य और अहिंसा

3. अहिंसा का दूसरा स्वरूप क्या है ?

(क) हिंसा (ख) संघर्ष

(ग) उन्नति (घ) त्याग

4. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द छाँटिए-

(क) पूरा (ख) प्रस्फुटित

(ग) पैदा (घ) सामने

5. निम्नलिखित शीर्षकों में से दिए गए गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक छाँटिए -

(क) अहिंसा-हमारी संस्कृति का मूलाधार (ख) नैतिक चेतना

(ग) एकसूत्रता (घ) सत्य का महत्व

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए : (1x5=5)

कई लोग असाधारण अवसर की बाट जोहा करते हैं । साधारण अवसर उनकी दृष्टि में उपयोगी नहीं रहते । परंतु वास्तव में कोई अवसर छोटा-बड़ा नहीं है । छोटे-से-छोटे अवसर का उपयोग करने से, अपनी बुद्धि को उसी में भिड़ा देने से, वही छोटा अवसर बड़ा हो जाता है । सर्वोतम मनुष्य वे नहीं हैं, जो अवसरों की बाट देखते रहते हैं, परंतु वे हैं जो अवसर को अपना दास बना लेते हैं । हमारे सामने हमेशा ही अवसर उपस्थित होते रहते हैं । यदि हममें इच्छा-शक्ति है, काम करने की ताकत है, तब तो हम स्वयं ही उनसे लाभ उठा सकते हैं । अवसर न मिलने की शिकायत कमजोर मनुष्य ही करते हैं । जीवन अवसरों की एक धारा है । स्कूल, कॉलेज का प्रत्येक पाठ, परीक्षा का समय, कठिनाई का प्रत्येक पल, सदुपदेश का प्रत्येक क्षण एक अवसर है । इन अवसरों से हम नम्र हो सकते हैं, ईमानदार हो सकते हैं, मित्र बना सकते हैं, उत्तरदायित्वों का मूल्य समझ सकते हैं और इस प्रकार उच्च मनुष्यता प्राप्त कर सकते

हैं । ऐसे अनेक लोग हैं जो अवसर को पकड़कर करोड़पति हो गए । परंतु अवसरों का क्षेत्र यहाँ समाप्त नहीं हो जाता । अवसर का उपयोग करके हम इंजीनियर, डॉक्टर, कला-विशारद, कवि और विद्वान भी बन सकते हैं । यद्यपि अपसरों के उपयोग से धन कमाना अच्छा काम है, परंतु धन से भी कहीं श्रेष्ठ कार्य सामने है । धन ही जीवन के प्रयत्नों का अंत नहीं है, जीवन लक्ष्य की चरम सीमा नहीं है । अवसरों के सदुपयोग से हम सर्वदृष्टि से महत्त्वपूर्ण इंसान बन सकते हैं ।

(i) छोटा अवसर भी कब बड़ा और असाधारण हो जाता है ?

(क) जब हम में उससे लाभ उठाने की क्षमता हो

(ख) जब हम बड़े अवसर की प्रतीक्षा में उसकी उपेक्षा नहीं करते

(ग) जब आलस्य के कारण उसके उपयोग से वंचित नहीं होते

(घ) जब हम पूरी लगन से उसका भरपूर उपयोग करते हैं

(ii) अवसर का लाभ कैसे उठाया जा सकता है ?

(क) अवसर की राह देखने से

(ख) अनेक अवसरों में उपयोगी अवसर की पहचान से

(ग) कार्य करने की उत्कट लालसा एवं शक्ति के भरपूर उपयोग से

(घ) कठिनाइयों को सहन करने से

(iii) जीवन को अवसरों की एक धारा क्यों कहा है ?

(क) धारा जीवन को विनाश की ओर बहा सकती है

(ख) जीवन की जिम्मेदारियों का बोध करा सकती है

(ग) जीवन में प्रत्येक क्षण अवसर प्राप्त होते रहते हैं

(घ) धारा जीवन में अच्छे मित्र दे सकती है

(iv) कौन सा श्रेष्ठ कार्य है जो धन से भी बढ़कर है ?

(क) इंजीनियर या डॉक्टर बनना

(ख) श्रेष्ठ कवि या कलाकार की ख्याति प्राप्त करना

(ग) खेलों में दक्षता हासिल करना

(घ) समाज में माहन् एवं आदर्श व्यक्ति बनना

(v) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक हो सकता है ?

(क) अवसर और मनुष्य

(ख) जीवन : अवसरों की एक धारा

(ग) जीवन में अवसरों का महत्त्व

(घ) अवसर और इच्छाशक्ति

3. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प लिखिए : (1x5=5)

तुम भारत, हम भारतीय हैं, तुम माता, हम बेटे
किसकी हिम्मत है कि तुम्हें दुष्टता-दृष्टि से देखे ?
ओ माता, तुम एक अरब से अधिक भुजाओं वाली
सबकी रक्षा में तुम सक्षम, हो अदम्य बलशाली ।।
भाषा, वेश, प्रदेश भिन्न हैं, फिर भी भाई-भाई
भारत की साझी संस्कृति में पलते भारतवासी ।
सुदिनों में हम एक साथ हँसते, गाते, सोते हैं
दुर्दिन में भी साथ-साथ जगते पौरुष ढोते हैं ।।
तुम हो शस्यश्यामला, खेतों में तुम लहराती हो
प्रकृति प्राणमयी, सामगानमयी, तुम न किसे भाती हो !
तुम न अगर होती तो धरती वसुधा क्यों कहलाती ?
गंगा कहाँ बहा करती, गीता क्यों गायी जाती ?

प्रश्न-1. इस कविता में किसे माता कहा गया है ?

(क) अपनी माँ को (ख) भारत को

(ग) गऊ माता को (घ) धरती को

2. भारत माँ की एक अरब से अधिक भुजाएँ क्यों बताई गई हैं ?

(क) अत्यधिक जनसंख्या बताने हेतु (ख) एक अरब से अधिक नर बताने हेतु

(ग) भारत के सपूतों की जनसंख्या बताने हेतु

(घ) एक अरब से अधिक सैनिक बताने हेतु

3. 'सक्षम' का पर्यायवाची छाँटिए-

(क) अक्षम (ख) समर्थ

(ग) योग्य (घ) असमर्थ

4. 'अदम्य' का तात्पर्य है-

(क) दब्बू (ख) अत्यधिक

(ग) जिसे दबाया न जा सके (घ) जिसे रोका न जा सके

5. 'साझी संस्कृति' का तात्पर्य है-

(क) भिन्न-भिन्न धर्मों वाली संस्कृति (ख) भिन्न भाषाओं वाली संस्कृति

(ग) भिन्न-भिन्न जातियों वाली संस्कृति (घ) भिन्न परंपराओं वाली संस्कृति

4. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उत्तर का सही विकल्प चुनकर लिखिए । (1x5=5)

अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम
हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम ।
हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश !
जब हम बनेंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश !
भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है
ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है ।
एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश
जब हम होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश !
इसकी बागडोर हाथों में, जरा हमारे आने दो
थोड़ा-सा बस पाँव हमारा, जीवन में टिक जाने दो ।

प्रश्न-1. इस कविता का मूल स्वर है -

(क) चुनौती का (ख) संकल्प का

(ग) प्रश्न का (घ) चिंता का

2. कवि कौन-सा परिवेश बदलना चाह रहा है ?

(क) प्यार का (ख) घृणा का

(ग) संघर्ष का (घ) शांति का

3. कवि की अवस्था क्या है ?

(क) बचपन (ख) जवानी

(ग) बुढ़ापा (घ) प्रौढ़ता

4. कवि क्या बनना चाहता है ?

(क) प्रधानमंत्री (ख) राष्ट्रपति

(ग) लोकनेता (घ) अधिनायक

5. 'एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश मैं' कौन-सा अलंकार है ?

(क) उत्प्रेक्षा (ख) उपमा

(ग) अनुप्रास (घ) यमक

खण्ड - ख

5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पद के व्याकरणिक परिचय के सही विकल्प को चुनकर लिखिए : (1x5=5)

क. सरला यहाँ इसी घर में रहती है ।

(i) विशेषण, सार्वनामिक, पुल्लिंग, एकवचन, विशेष्य - 'घर' ।

(ii) सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन 'घर' का सर्वनाम

(iii) स्थानवाचक क्रिया विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, क्रिया का स्थान बता रहा है ।

(iv) निपात, एकवचन, पुल्लिंग

ख. दौडकर जाओ और कुछ ले आओ ।

(i) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(ii) विशेषण, अनिश्चित परिमाणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(iii) क्रिया विशेषण, रीतिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक

(iv) निश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

ग. दिल्ली भारत की राजधानी है ।

(i) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(ii) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक

(iii) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

(iv) रीतिवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग

घ. रमा किताब पढ़ती है ।

(i) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमानकाल

(ii) अकर्मक क्रिया स्त्रीलिंग, एकवचन, मध्यम पुरुष

(iii) प्रेरणार्थक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, अन्यपुरुष

(iv) नामधातु, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमानकाल

ङ तुम वहाँ मत बैठो ।

(i) क्रिया विशेषण, रीतिवाचक, 'बैठो' क्रिया का विशेषण

(ii) क्रिया विशेषण, स्थानवाचक, 'बैठो' क्रिया का विशेषण

(iii) क्रिया विशेषण, कालवाचक, 'बैठो' क्रिया का विशेषण

(iv) क्रिया विशेषण, परिमाणवाचक, 'बैठो' क्रिया का विशेषण

6. निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प छाँटकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- (1x5=5)

क. सरलवाक्य उस वाक्य को कहते है, जिसमें -

(i) एक उद्देश्य, एक विधेय या एक मुख्य क्रिया होती है ।

(ii) एक कर्ता, दो क्रियाएँ होती है ।

(iii) दो कर्ता, दो उद्देश्य और एक क्रिया होती है ।

(iv) एक प्रधान वाक्य तथा अन्य गौण वाक्य होते है ।

ख. आश्रित उपवाक्य कितने प्रकार के होते है ?

(i) एक (ii) दो (iii) तीन (iv) चार

ग. निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य छाँटिए :

(i) जो मेहनती है, वही सफल होता है ।

(ii) वह बाज़ार गया और मेरे लिए उपहार लाया ।

(iii) वह जानता है कि मैं क्या चाहता है ।

(iv) बच्चे खेलते हैं ।

घ. निम्नलिखित वाक्य में प्रधान उपवाक्य कौन-सा है ?

मेरे जीवन का लक्ष्य है कि मैं वैज्ञानिक बनूँ।

(i) मेरे जीवन का लक्ष्य है । (ii) मैं वैज्ञानिक बनूँ

(iii) मेरे जीवन का (iv) लक्ष्य है कि मैं वैज्ञानिक बनूँ

ङ निम्नलिखित सरल वाक्य के संयुक्त वाक्य रूप का सही विकल्प छाँटकर लिखिए :-

वह सुबह देर से उठने के कारण कार्यालय भी देर से पहुँचा

(i) जो सुबह देर से उठते है वे कार्यालय भी देर से पहुँचते हैं ।

(ii) वह सुबह देर से उठा था इसलिए कार्यालय भी देर से पहुँचा ।

(iii) वह सुबह देर से उठकर, कार्यालय देर से पहुँचा ।

(iv) वह सुबह उठते ही कार्यालय पहूँचा ।

7. (क) निम्नलिखित में कर्तृवाच्यवाला वाक्य छाँटिए : 1

(i) मेरे से बैठा नहीं जाएगा ।

(ii) मुझसे बैठा नहीं जाएगा ।

(iii) मैं बैठ नहीं सकता

(iv) मेरे द्वारा बैठा नहीं जा रहा है ।

ख. कर्तृवाच्य कहते हैं 1

(i) जहाँ कर्म प्रधान होता है

(ii) जहाँ कर्ता प्रधान होता है

(iii) जहाँ भाव प्रधान होता है

(iv) जहाँ अन्य पद प्रधान होता है

ग. रमा ने खाना खाया । कर्मवाच्य में बदलिए: 1

(i) रमा खाना खाएगी ।

(ii) रमा से खाना खाया गया ।

(iii) रमा खाना खाती है ।

(iv) रमा से खाना खायी गयी ।

घ. निम्नलिखित में से भाववाच्यवाले वाक्य का चयन कीजिए: 1

(i) अब हम आ नहीं पा रहे हैं ।

(ii) यह कहानी दो दिन में पढ़ी जा सकती है ।

(iii) छत पर कैसे सोया जाएगा ?

(iv) भारत ने मित्रता का हाथ बढ़ाया है ।

ङ लता मंगेशकर ने मधुर गीत गाए । - कौन सा वाक्य है ? 1

(i) कर्तृवाच्य

(ii) कर्मवाच्य

(iii) भाववाच्य

8. निम्न लिखित पंक्तियों में कौन सा अलंकार प्रयुक्त है ? सही विकल्प चुनकर लिखिए:-

(1x5=5)

क. पीपर पात सरिस मन डोला ।

(i) रूपक (iii) श्लेष

(ii) उपमा (iv) यमक

ख. काली घटा का घमंड घटा - में अलंकार है

(i) श्लेष (ii) रूपक

(iii) यमक (iv) उपमा

ग. तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा ।

(i) उपमा अलंकार (ii) उत्प्रेक्षा

(iii) रूपक (iv) श्लेष

घ. निम्नलिखित में से किस पंक्ति में अनुप्रास अलंकार नहीं है ?

(i) मिटा गोद मन भए मलीने

(ii) सत्य सनेह शील सुख सागर

(iii) पहेली - सा जीवन है व्यस्त

(iv) काली लहर कल्पना काली

ङ. निम्नलिखित में से किस पंक्ति में रूपक अलंकार नहीं है ?

(i) चरण कमल बंदौ हरि राई

(ii) मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई, जै जग-मंदिर-दीपक सुंदर ।

(iii) फटिक सिलानि सौं सुधार यौ सुधा मंदिर ।

(iv) तरनि - तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए ।

खंड - ग

9. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए :- (1x5=5)

काशी में जिस तरह बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ एक दूसरे के पूरक रहे हैं, उसी तरह मुहरम-ताजिया और होली-अबीर-गुलाल की गंगा-जमुनी संस्कृति भी एक दूसरे के पूरक रही हैं । अभी जल्दी ही बहुत कुछ इतिहास बन चुका है । अभी आगे बहुत कुछ इतिहास बन जाएगा । फिर भी कुछ बचा है जो सिर्फ काशी में है । काशी आज भी संगीत के स्वर पर जागती और उसी की थापों पर सोती है । काशी में मरण भी मंगल माना गया है । काशी आनन्द कानन है । सबसे बडी बात है कि काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जैसा लय और सुर की तमीज़ सिखाने वाला नायाब हीरा रहा है, जो हमेशा दो कौमों के एक होने व भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा।

(i) गंगा - जमुनी संस्कृति का आशय है:

(क) प्राचीन परम्परा (ख) एक दूसरे के पूरक

(ग) मिली जुली संस्कृति (घ) आधुनिकता

(ii) बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ एक दूसरे के

(क) सहायक है (ख) पूरक है

(ग) दुश्मन है (घ) साथी

(iii) काशी में मरण भी कैसा माना गया है ?

(क) मंगल (ख) शोक

(ग) अमंगल (घ) मिथ्या

(iv) नायाब हीरा किसे कहा गया है ?

(क) लेखक को (ख) विश्वनाथ को

(ग) बिस्मिल्ला खाँ को (घ) अमीरुद्दीन को

(v) काशी आज भी किस पर आग उठती है ?

(क) भजन पर (ख) संगीत के स्वर पर

(ग) मंगल गायन से (घ) शहनाई से

या

अजमेर से पहले पिताजी इंदौर में थे, जहाँ उनकी बडी प्रतिष्ठा थी सम्मान था, नाम था। कोंग्रस के साथ साथ वे समाज सुधार के कामों से भी जुडे हुए थे । शिक्षा के केवल उपदेश ही नहीं देते थे, बल्कि उन दिनों आठ-आठ दस-दस विद्यार्थियों को अपने घर रखकर पढाया है, जिनमें से कई तो ऊँचे-ऊँचे ओहदों पर पहूँचे । ये उनकी खुशहाली के दिन थे और उन दिनों उनकी दरियादिली कें चर्चे भी कम नहीं थे, एक ओर वे बेहद कोमल, और संवेदनशील व्यक्ति थे तो दूसरी ओर बेहद क्रोधी और अहंवादी ।

(i) शिक्षा के प्रति पिता के लगाव का उदाहरण है:

(क) शिक्षा का उपदेश देना (ख) उनका अध्यापक होना

(ग) अपने घर पर विद्यार्थियों को पढाना (घ) शिष्यों का ऊँचे पद पाना

(ii) गद्यांश में किसके पिता की ओर संकेत है ?

(क) शीला अग्रवाल (ख) कॉलेज के प्रिन्सिपल के

(ग) मन्नूभंडारी के (घ) डॉ अम्बालाल के

(iii) इन्दौर में पिता के मान सम्मान का कारण था

(क) कोंग्रसी होना (ख) समाज सुधारक होना

(ग) संवेदन शील होना (घ) उपदेशक होना

(iv) पिता के व्यक्तित्व के परस्पर विरोधी गुण है

(क) अहंवादिता और रूढ़िवादिता (ख) सम्पन्नता और निर्धनता

(ग) कोमलता और क्रोध (घ) उदारता और संकीर्णता

(v) 'दरियादिली' का अर्थ है

(क) सहनशीलता (ख) संपन्नता

(ग) कृपणता (घ) उदारता

10 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए** (2x2=4)

(i) काशी में हो रहे कौन से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे ?

(ii) द्विवेदी जी ने क्या क्या तर्क देकर स्त्री शिक्षा का समर्थन किया है ?

11 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए** (2x3=6)

(i) लेखिका के पिता ने रसोई को "भटियारखाना" कहकर क्यों संबोधित किया है ?

(ii) वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में कौन संस्कृत है और कौन सभ्य ?

(iii) तब की शिक्षा प्रणाली और अब की शिक्षा प्रणाली में क्या अन्तर है ?

12 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए** (1x5=5)

"यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया
जितना ही दौडा तू उतना ही भरमाया ।
प्रभुता की शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चन्द्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है ।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन-
छाया मत छूना
मन, होगा दुःख दूना ।

प्रश्नः

(i) यश के पीछे दौड़ने पर क्या होता है ?

(ii) 'मृगतृष्णा' किसे कहा गया है ?

(iii) 'छाया' शब्द में निहित प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए ?

(iv) 'यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन' से क्या तात्पर्य है ?

(v) किस अवस्था में दुःख दूना हो जाता है ?

अथवा

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने केलिए है
जलने केलिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन है स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसा दिखाई मत देना

प्रश्नः

(i) माँ किस बात पर चिन्तित है ?

(ii) 'शाब्दिक भ्रम' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(iii) 'लड़की जैसी दिखाई मत देना' - में निहित सांकेतिक अर्थ क्या है ?

(iv) माँ ने लड़की को क्या समझाया है ?

(v) इस काव्यांश की भाषा कौन सी है ?

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए: (2x5=10)

(i) 'साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है' - इस कथन पर अपना विचार लिखिए ।

(ii) 'सुख दुःख के प्रति किस प्रकार का दृष्टिकोण रखना चाहिए' ? 'छाया मत छूना' कविता के आधार पर लिखिए ।

(iii) माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी ?

(iv) संगतकार अपने स्वर को ऊँचा न उठाने का प्रयास क्यों करता है ?

(v) परशुराम ने अपने बारे में गर्वोक्ति करते हुए क्या क्या कहा ?

14. 'हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है' उक्त तथ्य पर अपना विचार प्रकट कीजिए - (4)

15. किन्ही तीन सवालों के उत्तर लिखिए (2x3=6)

(i) स्वाधीनता आन्दोलन में दुलारी ने अपना योगदान किस प्रकार किया ?

(ii) गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है ?

(iii) 'प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति ही लेखन में अधिक मदद करती है'-क्यों ?

(iv) दुलारी का टुन्नू से पहली बार परिचय कहाँ और किस रूप में हुआ ?

खण्ड - घ

16. संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए - (5)

(i) बढती आधुनिकता - घटते जीवन मूल्य

→ अतीत और वर्तमान समाज

→ संकुचित मनोभाव

→ संबंधों में दरार

→ घटते मानवीय मूल्य

अथवा

(ii) खो गया है, बचपन

→ घरेलू वातावरण

→ माता-पिता की व्यस्तता

→ कम उम्र में पढाई

→ पढ़ाई का बोझ

→ निष्कर्ष

17. विदेश में जा बसे अपने चाचा को पत्र लिखकर समझाइए कि उन्हे भारत क्यों लौट आना चाहिए 5)

अथवा

निरंतर बढ़ती महँगाई की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित कराने केलिए 'हिन्दुस्तान टाइम्स' के सम्पादक को पत्र लिखिए